**बड़े पत्तनों पर न उठाया गया माल**

45. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
**श्री महेश्वर नायक :**
**श्री बारियर**
**श्री इन्द्रजीत गुप्त :**
**श्री वासुदेवन नायर :**
**श्री प्रभात कार :**
**श्री भागवत झा आजाद :**
**श्री म० ला० द्विवेदी :**
**श्री स० चं० सामन्त :**
**श्री सुबोध हंसदा :**
**श्री प्र० चं० बरुआ :**

क्या **परिवहन, उड्डयन, नौवहन तथा पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने देश के बड़े पत्तनों पर न उठाये जाने के कारण पड़े हुये माल को नीलाम करने का निर्णय किया है ;

(ख) न उठाया गया माल कितना है और कितने मूल्य का है और किन किन पत्तनों पर पड़ा हुआ है ; और

(ग) कितने वर्षों के बाद माल न छुड़ाया गया माना जाता है ?

**परिवहन, उड्डयन, नौवहन तथा पर्यटन मंत्री (श्री संजीव रेड्डी)** : (क) जी नहीं । यदि माल के मालिक द्वारा या अन्य व्यक्ति द्वारा जो इस काम के लिये नियुक्त किया गया हो, माल बोर्ड या कमीशन की हद से निर्धारित कालावधि के अन्दर न उठाया जाये तो कानून के मातहत संबद्ध पत्तन ट्रस्ट बोर्ड या पत्तन कमीशन को उस माल को जो वहां उतारे जाने पर उस बोर्ड या कमीशन के पास रखा गया हो नीलाम द्वारा बेचने का हक है ।

(ख) और (ग). सूचना इकट्ठी की जा रही है और यथा समय सभा पटल पर रख दी जायेगी ।

**अनाज की पैदावार में वृद्धि**

46. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
**श्री हुकम चन्द कछवाय :**

क्या **खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने उन किसानों को, जो अनाज की पैदावार में वृद्धि दिखाते हैं, ऋण देने की योजना बनाई है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है; और

(ग) यह योजना कब कार्यान्वित की जायेगी ?

**खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री शिन्डे)** : (क) ऐसी कोई योजना नहीं बनाई गई है । फिर भी फसल ऋणों की पद्धति के अनुसार सहकारी संस्थाओं के कृषक सदस्यों को पूरे उत्पादन के लिए वित्तीय सहायता देना है । यह बताया गया है कि अल्प-कालीन ऋण आवश्यकतायें विभिन्न फसलों के उत्पादन खर्च के प्रचलित मापदण्ड को मुख्यतया ध्यान में रखते हुए निश्चित की जानी चाहिएं । राज्य सरकारों को यह भी सुझाव दिया गया है कि उन सदस्यों को जो अपनी उपज सहकारी विपणन पद्धति के द्वारा बेचते हैं अतिरिक्त ऋण देकर सहकारी विपणन को प्रोत्साहन दें ।

(ख) तथा (ग). प्रश्न ही नहीं होता ।

**एस० एस० गोविन्द जयन्ती**

47. **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
**श्री द्वा० ना० तिवारी :**
**श्री हुकम चन्द कछवाय :**
**श्री बड़े :**

क्या **परिवहन, उड्डयन, नौवहन तथा पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिसम्बर, 1965 में एक विदेशी जहाजरानी कम्पनी